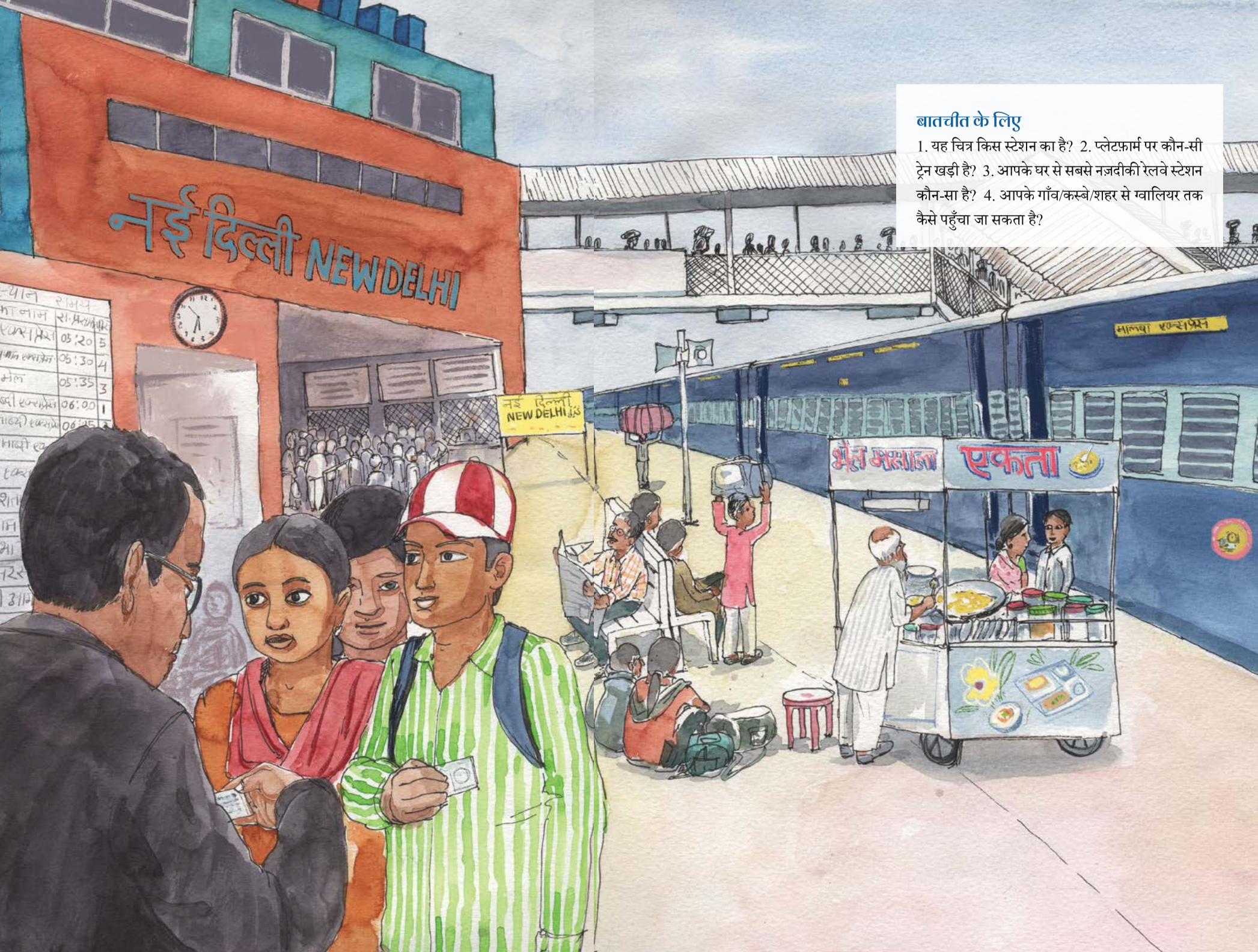

बातचीत के लिए

1. यह चित्र किस स्टेशन का है? 2. प्लेटफ़ार्म पर कौन-सी ट्रेन खड़ी है? 3. आपके घर से सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन कौन-सा है? 4. आपके गाँव/कस्बे/शहर से ग्वालियर तक कैसे पहुँचा जा सकता है?

10 यात्रा

हम सीखेंगे

- बड़े टेक्स्ट को पढ़कर समझ बनाना
- मुहावरों को जानना, समझना व इस्तेमाल करना
- अनुभवों को शब्दों में बताना

नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए

सीट	नज़ारे	ड्राइवर	सीटी	पगडंडी
लौटना	रेल	रास्ता	प्रसाधन	यात्रा
सड़क	बैलगाड़ी	किराया	सामान	साइकिल
टिकट	यात्री	मुसाफ़िर	बस-अड्डा	रेलवे स्टेशन
बुकिंग	रिक्शा	स्लीपर	गार्ड	इंजन
टी.टी.	प्लेटफ़ार्म	कंडक्टर	आरक्षण	तत्काल

शिक्षक-निर्देश— ऊपर यात्रा से जुड़े कुछ शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों पर चर्चा करें। सहभागियों को अपनी किसी यात्रा से जुड़े मज़ेदार अनुभव साझा करने के लिए कहें। सहभागियों को प्रोत्साहित करें कि वे यात्रा से जुड़ा कोई नाटक तैयार करें और अन्य साथियों को दिखाएँ।

© NCERT

गांधीजी की आत्मकथा से...

"गिरमिट की प्रथा" अध्याय में गांधीजी लिखते हैं –

रेल की भीड़ की तकलीफ़ का मुझे बहुत कड़वा अनुभव हुआ। मुझे लाहौर के रास्ते होते हुए कराची से कलकत्ते जाना था। लाहौर में ट्रेन बदलनी थी। वहाँ की ट्रेन में बुरा हाल था। यात्री ज़बरदस्ती अपना रास्ता बना लेते थे। दरवाज़ा बंद होता तो खिड़की में से अंदर घुस जाते थे। मुझे कलकत्ते निश्चित तारीख पर पहुँचना था। यह ट्रेन खो देता तो मैं कलकत्ते पहुँच न पाता। मैं जगह मिलने की आशा छोड़ बैठा था। कोई मुझे अपने डिब्बे में आने न देता था। आखिर एक मज़दूर ने कहा, "मुझे बारह आने दो तो जगह दिला दूँगा।" मैंने कहा, "मुझे जगह दिला दो तो ज़रूर बारह आने दूँगा।" मज़दूर यात्रियों से गिड़गिड़ाकर कह रहा

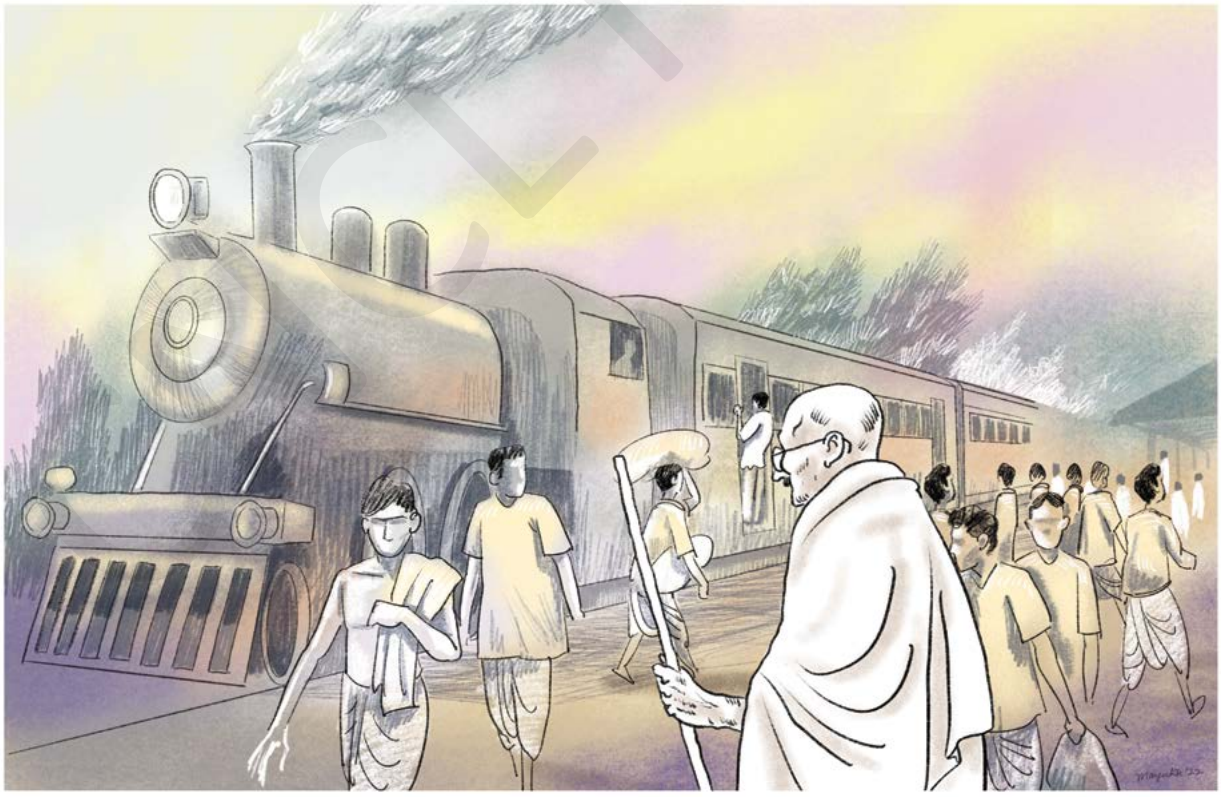

© NCERT

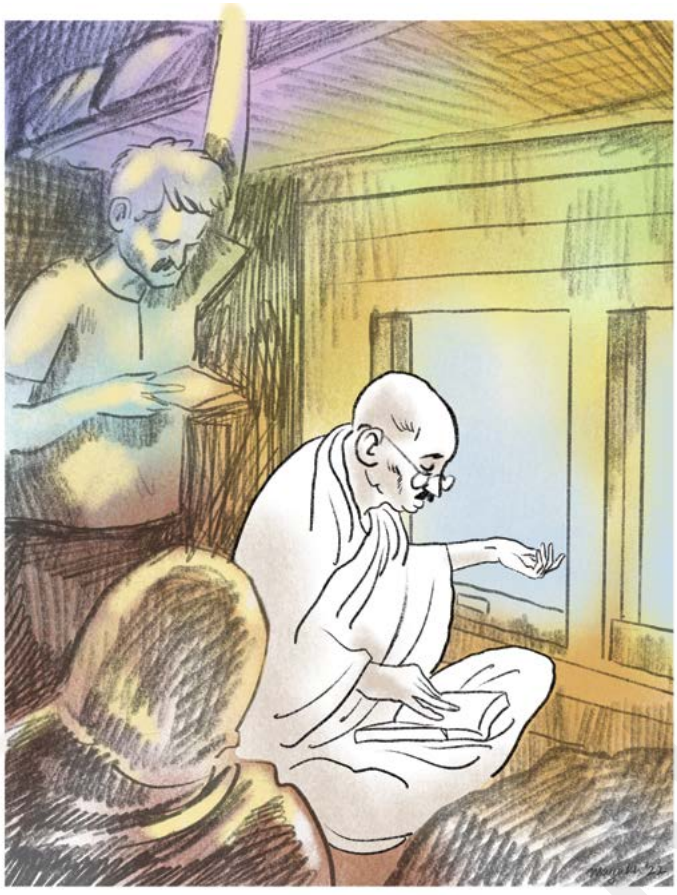

था, पर कोई मुझे लेने को तैयार न हुआ। ट्रेन छूटने ही वाली थी कि एक डिब्बे के कुछ यात्रियों ने कहा, "डिब्बे में जगह नहीं है। तो भी अंदर घुसा सकते हो तो कोशिश कर लो। लेकिन खड़ा रहना होगा।" मज़दूर मेरी ओर देखकर बोला, "क्यों जी?" मैंने "हाँ" कहा और उसने मुझे उठाकर खिड़की से अंदर डाल दिया। मैं अंदर घुसा और उस मज़दूर ने बारह आने कमा लिए।

मेरी यह रात मुश्किल से बीती। दूसरे यात्री जैसे-तैसे करके बैठ गए। मैं ऊपर वाली बैठक की जंजीर पकड़कर दो घंटे खड़ा ही रहा। इस बीच कुछ यात्री मुझे धमकाते ही रहे, "अजी, बैठते क्यों नहीं हो?" मैंने बहुत समझाया कि कहीं जगह नहीं है। पर उन्हें तो मेरा खड़ा रहना भी सहन नहीं हो रहा था। वे बार-बार मुझे परेशान करते थे। वे जितना मुझे परेशान करते थे, उतनी ही शांति से मैं उन्हें जवाब देता था। इससे वे कुछ शांत हुए। मेरा नाम-धाम पूछा। जब मुझे नाम बतलाना पड़ा तब वे शरमाए। मुझसे माफ़ी माँगी और मेरे लिए अपनी बगल में जगह कर दी, 'सब्र का फल मीठा होता है' कहावत मुझे याद आई। मैं बहुत थक गया था। मेरा सिर घूम रहा था। जब मुझे सचमुच ज़रूरत थी तब ईश्वर ने बैठने की जगह दिला दी।

पढ़िए और बातचीत कीजिए

प्रश्न 1. गांधी जी रेल से यात्रा के लिए स्टेशन पहुँचे। उन्होंने स्टेशन आने तक की यात्रा कैसे की होगी?

प्रश्न 2. गांधी जी के समय में रेल, मोटर, इक्का-ताँगा, साइकिल और बैलगाड़ी जैसे साधन ज़्यादा देखने में आते थे। आज के समय में यात्रा के और कौन-कौन से साधन आ गए हैं?

प्रश्न 3. किसी भी यात्रा में पुरुष अधिक दिखाई देते हैं। स्त्रियाँ कम दिखती हैं। ऐसा क्यों है?

प्रश्न 4. जैसे गांधी जी को अपनी यात्रा याद रही, क्या आपको भी अपनी किसी यात्रा की याद है? उसके बारे में बताइए।

प्रश्न 5. अनेक गाँवों में आज भी आने-जाने के लिए ठीक सुविधाएँ नहीं हैं। ऐसे में किस-किस तरह की परेशानियाँ लोगों को झेलनी पड़ी हैं? अपने इलाके के अनुभव के आधार पर बताइए।

गांधी जी ने लाहौर से कलकत्ता की यह यात्रा वर्ष 1917 में की थी। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के आमंत्रण पर कलकत्ता पहुँचना ज़रूरी था। तब तक उन्हें महात्मा की उपाधि तो नहीं मिली थी लेकिन जहाँ पहचान लिया जाता वहाँ नाम का घोष ज़रूर होता था।

© NCERT

यात्रा

मैं अपनी बहन के घर आया था। दो-तीन दिन यहाँ रहूँगा, फिर मैं अपने घर लौट जाऊँगा। बहन भी कभी-कभी आती है। मगर उसका आना घर लौटना नहीं होता! हम दोनों ने एक ही घर से यात्रा शुरू की थी। बहन मुझसे तीन साल बड़ी थी। वह मुझे बहुत लाड़ करती थी। वह कुछ भी खाती तो मेरा हिस्सा उसमें रहता था। मैं भी कभी-कभी उससे अपनी चीज़ें साझा करता था। उसे मेरे कपड़े छोटे होते थे। मगर मुझे उसके कपड़े बन जाते थे। बल्कि थोड़े ढीले होते थे। एक बार मैंने उसकी फ्रॉक पहन ली थी। वह इतनी हँसी, इतनी हँसी, अपना पेट पकड़े हँसती ही रही। मैं नहीं समझा मगर वह हँस रही थी तो मैं भी हँस रहा था।

© NCERT

आज सुबह से उसके घर आया हूँ। सुबह से बात-बात पर वह हँस रही है। उसके बच्चे, उसका पति सबका काम उसके बिना नहीं चल पा रहा है। मैं उससे अकेले में मिलना चाहता हूँ। मगर बच्चे हमेशा उसे घेरे रहते हैं। उसने आँगन में एक अमरूद लगाया था। इस बार वह पहली बार फला है। यह पहला फल मैंने उसके लिए तोड़ा था। वही उसे देना चाहता हूँ। बच्चों के सामने दूँगा तो पता नहीं... वे शायद हँस देंगे। या क्या पता वह खुद न खाए और बच्चों को दे दे। या क्या पता बच्चे ही उससे झपट लें।

आज लौट रहा हूँ। रात की बस है। बस में सब सो रहे हैं। ड्राइवर जाग रहा है। पर वह तो ड्राइवर है। और मैं जाग रहा हूँ। रास्ते में दुकानें हैं। ठंड की रात है। एक दुकान पर आग जलती दिख रही है। और कोई तो नज़र नहीं आया बस दो कुत्ते सो रहे हैं। कभी-कभी थोड़ी बहुत रोशनी दिख जाती है। कहीं दूर खेत में एक बल्ब लटका दिख जाता है। बाकी हर तरफ अंधेरा है। बस की हैडलाइट की रोशनी में थोड़ी-सी सड़क दिखती जा रही है।

यह कैसी यात्रा है! सब सो रहे हैं। किसी को कुछ नहीं मालूम कि कहाँ जा रहे हैं! ड्राइवर पर बहुत भरोसा है। बस से बाहर भी सब सो रहे हैं। सुबह मैं घर पहुँच जाऊँगा।

अम्माँ आँगन में बैठी हैं। मेरा रास्ता देखती! बहन ने अम्माँ के लिए सरौती भेजी है। वह मैंने बैग की सबसे ऊपर की जेब में ही रख ली थी। तुरंत अम्माँ को थमा दी। अम्माँ बहुत खुश हैं। बहुत खुश! मैंने बैग से वह अमरूद निकाला और डाली में वह जगह ढूँढ़ने लगा जहाँ से उसे तोड़ा था।

— सुशील शुक्ल

© NCERT

बताइए

प्रश्न 1. लेखक अपनी बहन को अमरूद क्यों नहीं दे पाया?

प्रश्न 2. 'यात्रा' पढ़ते समय आपको कैसा महसूस हुआ? क्या उसका कोई हिस्सा पढ़ते समय आपको लगा कि आप ने भी वैसा कुछ महसूस किया है?

प्रश्न 3. यात्रा करते समय लेखक ने बस के बाहर क्या-क्या देखा?

प्रश्न 4. कई बार बहुत छोटे लड़के भी अपनी बहन की फ्रॉक पहन लेते हैं। आप इस बारे में क्या कहेंगे?

प्रश्न 5. कहानी में ऐसे कौन-से अंश हैं जो यह बताते हैं कि भाई-बहन के बीच बहुत प्रेम है?

प्रश्न 6. आपने किन कारणों से यात्रा की है?

पढ़िए और लिखिए

प्रश्न 1. सही मुहावरे से वाक्य पूरे कीजिए—

घोड़े बेचकर सोना, हँसते-हँसते लोट-पोट होना, कलेजा धड़कना, ईद का चाँद होना, आँख लगना

(क) मुझे फ्रॉक पहना देख वह _____

(ख) बहुत दिन बाद दिखे हो, तुम तो _____

(ग) अँधेरे में तो मेरा _____

(घ) मेरा इंतज़ार करते-करते अम्माँ की _____

(ङ) रात को तो सब _____

© NCERT

प्रश्न 2. सही शब्द लिखिए–

1. आपको _____ जाना है? (कहा / कहाँ)
2. बहन की _____ आई हैं। (सास / साँस)
3. कल बहुत तेज़ _____ आई। (आधी / आँधी)
4. बहन ने _____ कि बारिश आएगी। (कहा / कहाँ)
5. सामने कुत्ते को देख मेरी _____ अटक गई। (सास / साँस)
6. बच्चों की तो _____ टिकट लगती है। (आधी / आँधी)

प्रश्न 3. आपके गाँव/शहर में यात्रा के कौन-कौन से साधन हैं? निम्नलिखित में से आने-जाने के लिए आप किन साधनों का उपयोग करते हैं? (✓) का निशान लगाइए–

1. बस
2. रेलगाड़ी
3. मेट्रो
4. जीप
5. स्कूटर
6. ई-रिक्शा
7. टैक्सी
8. ट्रक

प्रश्न 4. अपनी किसी यादगार यात्रा की कुछ बातें यहाँ लिखिए –

_____

_____

_____

_____

_____

CNCL NCERT

प्रश्न 5. किसी भी सफ़र के लिए किस तरह की तैयारी की ज़रूरत होती है? अपने विचार साझा कीजिए और लिखिए-

CNCL NCERT